अध्याय 11. उठो, दरवाजा खोल दो (एकांकी)

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

अति लघूत्तरीय प्रश्न- प्रश्न-बताइए, किसने कहा?

1. ओह! कितना अंधेरा बैठ गया है मेरे कमरे में।

Ans:- प्रकाश ने

2. कुछ दार्शनिक मूड में लगते हैं।

Ans:- किरण ने

3. जिस रोशनी की मुझे तलाश है, उसे बाहर से नहीं, भीतर से आना है।

Ans:- प्रकाश ने

4. हर घुटन, त्रास और अंधकार को बाहर उलीचना होगा।

Ans:- किरण ने

लघूत्तरीय प्रश्न-

1. प्रकाश कमरे में बैठा क्या सोच रहा था?

Ans:- प्रकाश कमरे में अंधेरे में बैठकर जीवन की निराशा, अकेलेपन, मनुष्य की स्वार्थमयी प्रवृत्तियों और घृणा-द्वेष से भरे वातावरण के बारे में सोच रहा था।

2. दरवाजे और खिड़कियाँ खुल जाने पर प्रकाश कैसा अनुभव करता है?

Ans:- दरवाजे और खिड़कियाँ खुलने पर प्रकाश को बहुत प्रसन्नता और शांति का अनुभव होता है।उसे लगता है जैसे सारा अंधेरा मिट गया हो और रोशनी ने जीवन को भर दिया हो।

3. हमने अपने दामन में खुशियों के स्थान पर क्या भर लिया है?

Ans:- हमने अपने दामन में खुशियों और फूलों के स्थान पर तोहमतें, घृणा, द्वेष और अलगाव की आग भर ली है।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न-

1. लोग सुख किसे समझते हैं और उसे कहाँ खोजते हैं?

Ans:- सामान्यतः लोग सुख को बाहरी वस्तुओं, वैभव, धन-दौलत और भौतिक साधनों में खोजते हैं।वे मानते हैं कि आराम, ऐश्वर्य और दिखावे से सुख प्राप्त होगा।परंतु वास्तविकता में इस सुख की तलाश करते-करते वे उलझनों, ईर्ष्या, द्वेष और स्वार्थ की ओर बढ़ जाते हैं और सच्चा सुख खो बैठते हैं।

2. वास्तविक प्रकाशरूपी सुख किस प्रकार प्राप्त हो सकता है? समझाइए।

Ans:- वास्तविक प्रकाशरूपी सुख भीतर से आता है।जब मनुष्य अपने अहंकार, ईर्ष्या और स्वार्थ जैसी प्रवृत्तियों को त्याग देता है, प्रेम, भाईचारे और समन्वय को अपनाता है, तभी जीवन में सच्चा सुख और शांति प्राप्त होती है।

यह सुख न बाहर की वस्तुओं में है, न भौतिक साधनों में, बल्कि मनुष्य के हृदय की निर्मलता, मानवीयता और परस्पर स्नेह में है।

3. 'बंद दरवाजों को सबके लिए खोलना है'।इसका क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।

Ans:- इस कथन का अभिप्राय है कि हमें अपने मन और हृदय के संकीर्ण दरवाजों को खोलना होगा।

नफरत, अलगाव, संप्रदायवाद, जातिवाद और स्वार्थ की दीवारों को तोड़कर भाईचारे, सद्भावना और प्रेम की रोशनी को भीतर आने देना होगा।तभी समाज से अंधेरा मिटेगा और जीवन में सच्चा उजाला आएगा।